आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 13.06.2026 समय : 1905

<><><><><><><><>

1. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयुष मंत्रालय की ओर से कल गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रयास के तहत योग सत्र का आयोजन किया जाएगा।

2. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आयोग को सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या संरचना में हो रहे बदलावों का अध्ययन करने के निर्देश दिए।

3. नशा मुक्त भारत अभियान के तहत कार निकोबार में मैराथन का आयोजन किया गया।

4. अंडमान निकोबार रोइंग एसोसिएशन की ओर से कल चयन ट्रायल का आयोजन किया जाएगा।

<><><><><><><><>

आयुष मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रयास और योग संगम गतिविधियों में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का विषय 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' रखा गया है, जो सभी आयु वर्गों में शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण को बढ़ाने और स्वस्थ व सक्रिय वृद्धावस्था को बढ़ावा देने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है। इस सिलसिले में आयुष मंत्रालय देश भर में कई गतिविधियों का आयोजन कर रहा है। इसी क्रम में मंत्रालय कल सुबह छः बजकर पन्द्रह मिनट से सात बजकर पैंतीस मिनट तक कार्यक्रम का आयोजन करेगा। इस ऐतिहासिक पहल का उद्देश्य आयुष मंत्रालय के यूट्यूब प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक ऑनलाइन योग सत्र में एक साथ भाग लेने वाले लोगों की अधिकतम संख्या का रिकॉर्ड बनाना है। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए, व्यक्तियों को टोल–फ्री नंबर 1800–315–7008 पर एक मिस्ड कॉल देकर पंजीकरण करना होगा। इसके अलावा आयुष मंत्रालय ने योग संगम पोर्टल की शुरूआत की है। यह पोर्टल 21 जून को देश भर में एक साथ होने वाले 'योग संगम' में सभी संगठनों, संस्थानों, सरकारी विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, स्थानीय निकायों, स्वायत्त निकायों, सार्वजनिक उपक्रमों, प्रमुख योग संस्थानों और सामुदायिक समूहों के पंजीकरण की सुविधा प्रदान करता है।

<><><><><><><><>

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज जनसांख्यिकीय बदलावों को लेकर एक बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने आयोग को सीमावर्ती जिलों में जनसंख्या संरचना में हो रहे बदलावों का अध्ययन करने के निर्देश दिए। बैठक में गृह मंत्री ने आयोग से सीमावर्ती क्षेत्रों, महानगरों और औद्योगिक शहरों का दौरा कर स्थिति का आकलन करने को भी कहा। केंद्र सरकार ने पिछले महीने अवैध प्रवासन और अन्य असामान्य कारणों से हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का अध्ययन करने तथा उनसे निपटने के उपाय सुझाने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया था।

<><><><><><><><>

केंद्र सरकार की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना देशभर में बालिकाओं के सशक्तिकरण का एक बड़ा अभियान बन गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, पिछले दस वर्षों में, जन्म के समय लिंगानुपात नौ सौ अट्ठारह से बढ़कर नौ सौ उनतीस हो गया है। वहीं, माध्यमिक स्तर पर छात्राओं का नामांकन भी लगभग पचहत्तर प्रतिशत से बढ़कर अस्सी प्रतिशत के करीब हो गया है। मंत्रालय ने कहा है कि यह योजना बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

<><><><><><><><>

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने खाद्य व्यापार संचालकों को तत्काल प्रभाव से मेटल की पिन, स्टेपल पिन, वायर और अन्य इसी प्रकार की अन्य चीजों का इस्तेमाल खाने–पीने के उत्पादों को पैक करने और सुरक्षित रखने के लिए न करने का निर्देश दिया है। निर्देश का पालन न करने वालों पर प्रावधानों के अनुसार उचित दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

<><><><><><><><>

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत समाज कल्याण निदेशालय की एकीकृत नशा मुक्ति केंद्र और आईसीडीएस जनजातीय परियोजना, निकोबार ने आठ किलोमीटर मैराथन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वस्थ, नशा मुक्त समाज को बढ़ावा देना, युवाओं और समुदाय में मादक द्रव्यों के सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देना था। "जंगली शराब को कहें ना, जीवन चुनें, स्वतंत्रता चुनें" विषय के साथ आयोजित इस मैराथन को जिला उपायुक्त अमित काले ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर निकोबार जिला पुलिस अधीक्षक राहुल एल. नायर सहित सहायक आयुक्त डॉ. नवीन कुमार,

जनजातीय परिषदों के सदस्य और विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए। परियोजना समन्वयक तनेश इंदवार ने अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। मैराथन का आयोजन पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग–अलग श्रेणियों में किया गया था। सभी विजेताओं को नकद पुरस्कार और ट्राफियां प्रदान की गईं। पुलिस अधीक्षक ने एक नशा मुक्त भविष्य के निर्माण के महत्व पर जोर देते हुए युवाओं से स्वास्थ्य, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने वाली रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होने का आग्रह किया। निकोबार जिले में नशा मुक्त भारत अभियान के "नशा मुक्त निकोबार" और "नशा मुक्त भारत" पर लघु फिल्मों की स्क्रीनिंग, जागरूकता सत्र, क्षमता निर्माण कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक जैसी गतिविधियां चलाई जाएगी।

<><><><><><><>

राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अनुसार, अंडमान निकोबार प्रशासन टीबी मुक्त भारत अभियान – 100 दिवसीय गहन अभियान को सक्रिय रूप से लागू कर रहा है। यह अभियान तपेदिक को पूरी तरह समाप्त करने के लिए लक्षित दृष्टिकोण पर केंद्रित है। अभियान के मुख्य उद्देश्य स्क्रीनिंग के माध्यम से टीबी के सभी छिपे मामलों की पहचान करना, व्यक्तिगत मरीज देखभाल, पोषण संबंधी सहायता, अन्य बीमारियों का प्रबंधन, नियमित फॉलो–अप और टीबी डेथ ऑडिट के माध्यम से मृत्यु दर को कम करना, नए मामलों की रोकथाम और जनभागीदारी को बढ़ावा देना है। अभियान के दौरान टीबी स्क्रीनिंग और आयुष्मान आरोग्य शिविरों के आयोजन किए जा रहे हैं। इसके तहत अब तक द्वीपसमूह में कुल छः सौ निन्यानब्बे शिविर लगाए गए, जिसमें उनतीस हजार नौ सौ चौवन लोगों की जांच की गई। निक्षय मित्र के लिए सात हजार आठ सौ बाहत्तर नए नामांकन किए गए। प्रशासन ने सभी नागरिकों से टीबी के खिलाफ इस लड़ाई में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की है। साथ ही साठ वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों, मधुमेह रोगी, धूम्रपान या शराब का सेवन करने वाले, टीबी रोगियों के करीबी संपर्क में रहने वाले, या जिन्हें पिछले 5 वर्षों में टीबी हुई हो उनसे अपने नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर जांच कराने को कहा गया है।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार रोइंग एसोसिएशन की ओर से कल चयन ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। यह ट्रायल सिप्पीघाट स्थित खेलो इंडिया जल क्रीड़ा परिसर, में सुबह छः बजे से शुरू होगा। चयन ट्रायल में चौबीस से सत्ताईस जून तक पुणे में आयोजित होने वाले अंडर–23 राष्ट्रीय रोइंग चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए रोइंग टीम का चयन किया जाएगा।

<><><><><><><>

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय ने स्वराज द्वीप के नीम–ओ–रीफ से जेट्टी मार्ग पर पारदर्शी कयाकिंग गतिविधियों के संचालन की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा है। यह निर्णय 'अंडमान निकोबार द्वीप समूह जलक्रीड़ा दिशानिर्देश–दो हजार पन्द्रह' के प्रावधानों के तहत की गई जोखिम मूल्यांकन रिपोर्ट की सिफारिशों के अनुरूप लिया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य वर्तमान में चल रहे जेट्टी–लाइटहाउस कयाकिंग मार्ग पर भीड़भाड़ को कम करना, पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों को नए अवसर प्रदान करना और साथ ही गतिविधियों की प्रभावी निगरानी और विनियमन सुनिश्चित करना है। पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने और पर्यावरण–अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, इस प्रस्तावित क्षेत्र में केवल पारदर्शी कयाक के संचालन की ही अनुमति होगी। इच्छुक कयाक संचालक, केंद्र और पर्यटन हितधारक अपने आवेदन निदेशालय के साहसिक जलक्रीड़ा प्रभाग में जमा कर सकते हैं।

<><><><><><><>

मौसम संबंधी पूर्वानुमान के अनुसार द्वीपसमूह के अधिकांश भागों में अगले दो दिनों तक भारी वर्षा की संभावना व्यक्त की गई है। इस दौरान हवा चालीस से पचास किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलेंगी, जो बढ़कर साठ किलोमीटर प्रतिघंटा तक हो सकती है। खराब मौसम को देखते हुए मछुआरों को सत्रह जून तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

<><><><><><><>